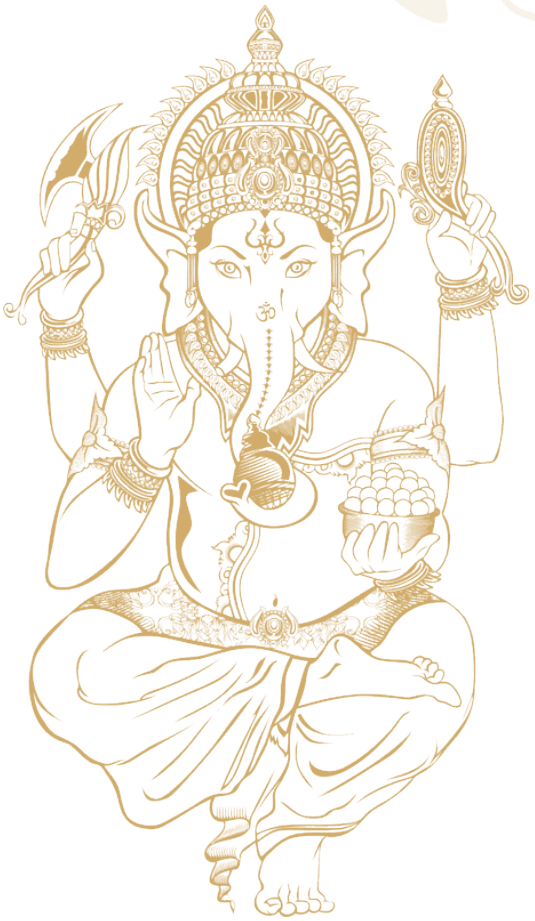

15 Feb 2026

11:30 PM

Ara

Model: web-freekundliweb

Order No: 121298602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/02/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**23:30:00 घंटे**
इष्ट	42:38:19 घटी
स्थान	**Ara**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:34:00 उत्तर
रेखांश	84:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:08:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:38:40 घंटे
वेलान्तर	-00:14:08 घंटे
साम्पातिक काल	09:21:41 घंटे
सूर्योदय	06:26:40 घंटे
सूर्यास्त	17:44:35 घंटे
दिनमान	11:17:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	02:50:12 कुम्भ
लग्न के अंश	20:37:30 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	व्यतिपात
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खी-खिलावन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	20:37:30	313:52:34	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	02:50:12	01:00:37	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मक	11:57:15	12:42:26	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
मंगल		अ	मक	24:04:59	00:47:13	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	उच्च राशि
बुध			कुंभ	20:06:50	01:24:06	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:44:56	00:04:28	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	12:26:18	01:15:05	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	05:58:08	00:06:41	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:44:51	00:01:26	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:44:51	00:01:26	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:17:45	00:00:37	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:21:47	00:01:58	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:55:49	00:01:48	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	23:45:32	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

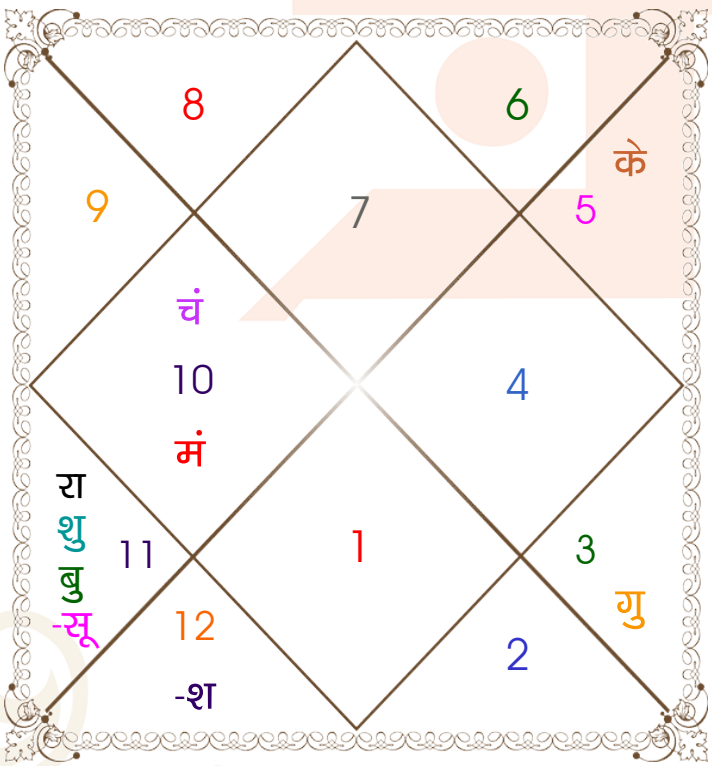

चन्द्र कुंडली

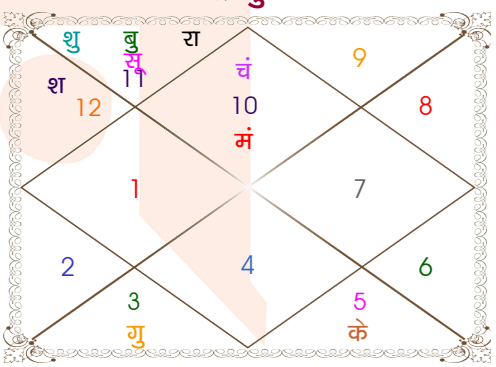

नवमांश कुंडली

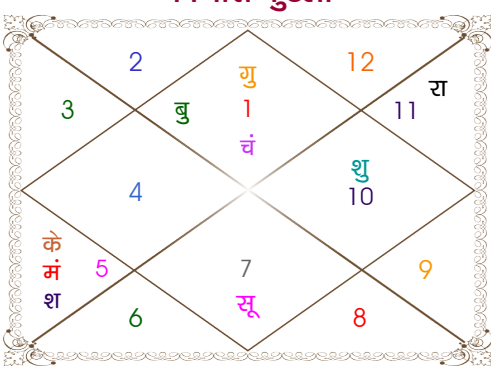

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 6 मास 12 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
15/02/2026		30/08/2034		29/08/2041		30/08/2059		30/08/2075	
30/08/2034		29/08/2041		30/08/2059		30/08/2075		30/08/2094	
	00/00/0000	मंगल	26/01/2035	राहु	12/05/2044	गुरु	17/10/2061	शनि	02/09/2078
	15/02/2026	राहु	13/02/2036	गुरु	05/10/2046	शनि	29/04/2064	बुध	12/05/2081
राहु	30/07/2027	गुरु	19/01/2037	शनि	11/08/2049	बुध	05/08/2066	केतु	21/06/2082
गुरु	28/11/2028	शनि	28/02/2038	बुध	29/02/2052	केतु	12/07/2067	शुक्र	20/08/2085
शनि	30/06/2030	बुध	25/02/2039	केतु	18/03/2053	शुक्र	12/03/2070	सूर्य	02/08/2086
बुध	29/11/2031	केतु	24/07/2039	शुक्र	18/03/2056	सूर्य	29/12/2070	चंद्र	03/03/2088
केतु	29/06/2032	शुक्र	22/09/2040	सूर्य	09/02/2057	चंद्र	29/04/2072	मंगल	11/04/2089
शुक्र	28/02/2034	सूर्य	28/01/2041	चंद्र	11/08/2058	मंगल	05/04/2073	राहु	16/02/2092
सूर्य	30/08/2034	चंद्र	29/08/2041	मंगल	30/08/2059	राहु	30/08/2075	गुरु	30/08/2094

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
30/08/2094		31/08/2111		31/08/2118		31/08/2138		30/08/2144	
31/08/2111		31/08/2118		31/08/2138		30/08/2144		00/00/0000	
बुध	25/01/2097	केतु	27/01/2112	शुक्र	30/12/2121	सूर्य	18/12/2138	चंद्र	01/07/2145
केतु	22/01/2098	शुक्र	28/03/2113	सूर्य	30/12/2122	चंद्र	19/06/2139	मंगल	30/01/2146
शुक्र	23/11/2100	सूर्य	03/08/2113	चंद्र	30/08/2124	मंगल	25/10/2139	राहु	16/02/2146
सूर्य	30/09/2101	चंद्र	04/03/2114	मंगल	30/10/2125	राहु	17/09/2140		00/00/0000
चंद्र	01/03/2103	मंगल	31/07/2114	राहु	30/10/2128	गुरु	07/07/2141		00/00/0000
मंगल	26/02/2104	राहु	19/08/2115	गुरु	01/07/2131	शनि	19/06/2142		00/00/0000
राहु	15/09/2106	गुरु	25/07/2116	शनि	31/08/2134	बुध	25/04/2143		00/00/0000
गुरु	21/12/2108	शनि	02/09/2117	बुध	01/07/2137	केतु	31/08/2143		00/00/0000
शनि	31/08/2111	बुध	31/08/2118	केतु	31/08/2138	शुक्र	30/08/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 6 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति के प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगे। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन की सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगे। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगे।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगे। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय व्यक्ति हैं। आप अपने जीवन संगिनी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सके तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगे। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपकी पत्नी आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेगी तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगे।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाले प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगे। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहते हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।